# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पंतनगर में देष का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

विश्वविद्यालय में देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने तराई भवन एवं गांधी पार्क में ध्वजारोहण किया तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की सेवा के लिए संकल्प दिलाया। उन्होंने शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदान की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है।

अपने संबोधन में डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि पंतनगर विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 209 रैंक हासिल किया, जोकि 2023 में 361वां रैंक पर था। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में ई–फाईल प्रारम्भ किया गया जिससे फाईलों के निस्तारण में गति मिली। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के मूलभूत ढांचे जैसे टूटी हुई सड़कें, फूलबाग एवं नगला मुख्य द्वार का जीर्णोद्धार, महिला विद्यार्थियों के लिए नया छात्रावास, पर्वतीय विकास के लिए बिपिन सिंह रावत शोध शिक्षण संस्थान, जनरल बिपिन रावत छात्रावास, कृषकों के लिए नया प्रशिक्षण केन्द्र, महिलाओं को समर्पित व्यायामशाला, वैलनेस सेन्टर, मधु वाटिका आदि का कार्यों को पूर्ण कराया गया। उन्होंने बताया कि शोध एवं शिक्षण के क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दृष्टि से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों पर पेटेंट फाईल किये गये जिनकी स्वीकृति प्राप्त हुई।

उन्होंने विश्वविद्यालय के शोध निदेशालय, प्रसार निदेशालय, संचार निदेशालय, सुरक्षा विभाग कार्यालय, विश्वविद्यालय फार्म आदि के योगदान की सराहना की। उन्होंने बताया कि वृहद स्तर पर शहद एवं मशरूम के उत्पादन के लिए विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों, स्वयं सहायता समूह आदि को जागरूक कर उनको लाभान्वित किया गया। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय के छात्र न केवल देश में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी शोधकर्ताओं और प्राध्यापकों से आग्रह किया कि वे प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण शोध–पत्र प्रकाशित करें और ऐसे नवाचार उत्पाद विकसित करें जो किसानों, उद्योग और समाज के लिए उपयोगी हों। उन्होंने कहा कि प्रभावी शोध और तकनीकी नवाचार ही कृषि विकास में प्रगति देगा। कुलपति ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने व्यक्तिगत एवं पेशेवर विकास के लिए सतत प्रयास करें। उन्होंने बताया कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और दृढ संकल्प ही सफलता की कुंजी हैं।

उन्होंने अपने भाषण का समापन सभी को पुनः 79वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए तीन बार 'जय हिन्द' के नारे के साथ किया, जिसको उपस्थित जनों ने पूरे उत्साह के साथ दोहराया।